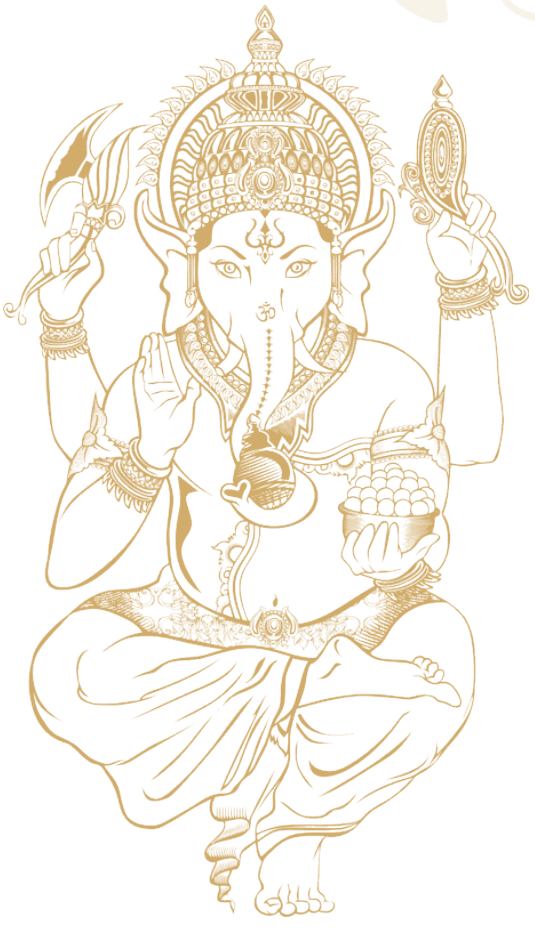

Sandeep

Akansha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121589002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/10/1993	जन्म तिथि	06/08/1995
शुक्र-शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 03:25:00	जन्म समय	11:55:00 घंटे
घटी 54:00:03	जन्म समय(घटी)	16:19:06 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Varanasi
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:58	सूर्योदय	05:27:06
17:41:54	सूर्यास्त	18:40:18
23:46:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:54

विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 7मा 1दि सूर्य 04/05/2024 04/05/2030		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 15वर्ष 8मा 19दि शुक्र 25/04/2018 25/04/2038	
		11:59:22	सिंह	लग्न	तुला	15:08:43		
		14:57:17	कन्या	सूर्य	कर्क	19:32:52		
		27:11:10	मीन	चंद्र	वृश्चि	17:40:14		
		09:29:10	तुला	मंगल	कन्या	15:45:55		
सूर्य	21/08/2024	07:20:16	तुला	बुध	कर्क	29:15:02	शुक्र	25/08/2021
चन्द्र	20/02/2025	27:42:26	कन्या	गुरु	वृश्चि	11:45:06	सूर्य	25/08/2022
मंगल	28/06/2025	18:50:10	सिंह	शुक्र	कर्क	15:29:17	चन्द्र	25/04/2024
राहु	23/05/2026	00:25:53	कुंभ व	शनि व	मीन	00:10:54	मंगल	25/06/2025
गुरु	11/03/2027	10:35:08	वृश्चि व	राहु व	तुला	06:02:48	राहु	25/06/2028
शनि	21/02/2028	10:35:08	वृष व	केतु व	मेष	06:02:48	गुरु	24/02/2031
बुध	27/12/2028	24:27:44	धनु	हर्ष व	मक	04:05:04	शनि	25/04/2034
केतु	04/05/2029	24:36:11	धनु	नेप व	धनु	29:50:05	बुध	23/02/2037
शुक्र	04/05/2030	29:55:30	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	04:01:10	केतु	25/04/2038

लग्न-चलित

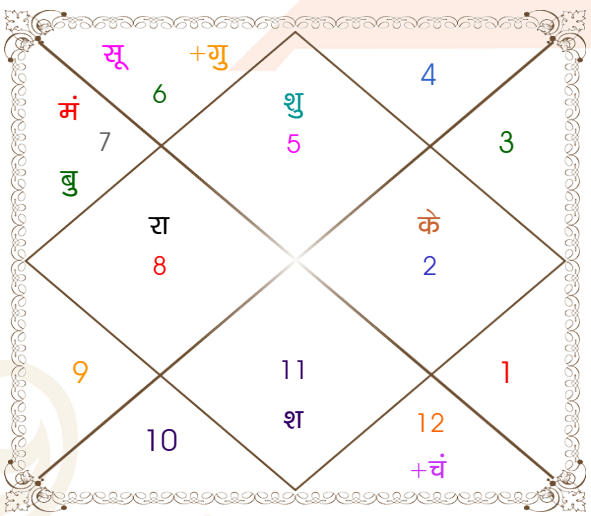

लग्न-चलित

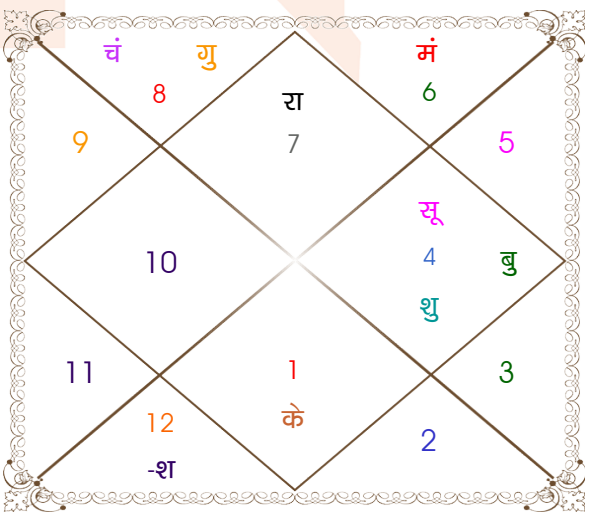

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ँदकममच का वर्ग सिंह है तथा ।ांर्दी का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ँदकममच और ।ांर्दी का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ँदकममच मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

।ांर्दी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।ांर्दी कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ँदकममच कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैंदकममच तथा ।ंर्दी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।